



Spoken Tutorial  
IIT Bombay  
MHRD, Govt. of India

National Institute of Technical  
Teachers Training and  
Research (NITTTR), Chandigarh

International Institute  
of Organized  
Research (I2OR)

Green Clues  
Unit of Green ThinkerZ  
India

# International Conference on Interdisciplinary Research for Sustainable Development | IRSD 2016

Venue | NITTTR, Chandigarh (UT), India | 1-2 December 2016

Brief Report of Conference by  
Er. Tanvir Singh

Conference Convener  
IRSD 2016

Outreach Officer (Punjab, J&K)  
Spoken Tutorial IIT Bombay

## BRIEF WRITE-UP ABOUT THE CONFERENCE

An **International Conference on Interdisciplinary Research for Sustainable Development (IRSD 2016)** at NITTTR Chandigarh on 1<sup>st</sup> and 2<sup>nd</sup> December 2016, have been organized by **Department of Computer Science and Engineering, NITTTR Chandigarh** and **Green ThinkerZ Society** in association with **Spoken Tutorial Project, IIT Bombay**. The conference was technically sponsored by **International Institute of Organized Research (I2OR), India** and the conference proceedings have been published as a *special issue* of **International Journal of Research in Electronics and Computer Engineering (IJRECE)** and **The Research Journal (TRJ)** which are highly indexed with ONLINE as well as PRINT ISSN.

The Conference has the core theme of **Sustainable Development** through **Interdisciplinary Research** with a **Special Track on Free and Open Source Software (FOSS)** powered by **Spoken Tutorial Project, IIT Bombay**. A Galaxy of Academicians from different research domain were present for a reviving and thought-provoking power-packed day at NITTTR Chandigarh, India. The wide range of topics were covered during the conference which were beneficial to both industry and academia.

This Conference Committee received more than 100 abstracts for paper presentations, but only 55 got selected for presentation and possible publication in the conference proceedings.

Research scholars from various Universities and Institutions presented their research work and got valuable suggestions from the Experts and adroit researchers.

All the logistics support for the conference was provided from the **Team of Green ThinkerZ Society** which is a society active in the field of Social and Environmental Sustainability. The society has been spreading awareness on key topics like E-waste, Mobile Radiations, Gadget Addiction, Water Conservation etc. for last 2 years. The society is a group of researchers from India, China, Sri Lanka and Australia.

The Guest of Honour for the conference were:

- **Dr M P Poonia, Director, NITTTR, Chandigarh**
- **Dr K K Saini, Director, Hindu College of Engineering, Sonapat**
- **Mrs. Shyama Iyer, National Coordinator, Spoken Tutorial Project, IIT Bombay**

The other key persons who graced the occasion were:

- **Dr Sushanta Tripathy, Professor, KIIT University, Bhubneshwar**
- **Er. Samudaya Nanyakkara, University of Mortuwa, Srilanka**

The Keynote speakers and experts delivered plenary talks and chaired the technical sessions and added value to this conference.

- **Dr Kamaljeet Singh, ISRO, Bangluru**
- **Dr Suresh Ghose, Principal, VNIET, Nagpur**
- **Dr Vikram Singh, Professor, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa**
- **Dr S S Khurmi, YCoE, Bathinda**
- **Dr S N Panda, Director (Research), Chitkara University, Punjab**
- **Dr Dhiraj Sharma, Punjabi University, Patiala**
- **Dr Mihir Mohanty, S'O'A University, Odisha**
- **Dr Balwinder Singh, CDAC Mohali**
- **A Kumar, Nanjing Forestry University, China**
- **Prof. Murali B. Krishna, Sri Sivani College of Engineering, Andhra Pradesh**
- **Dr. Amit Verma, CGC Landran (Mohali), Punjab**
- **Dr. SP Ahuja, Principal – Indo Global Group of Colleges, Abhipur, Punjab**
- **Dr. Kanwalvir Singh Dhindsa, Professor – BBSBEC Fatehgarh Sahib, Punjab**
- **Dr. Anupinder Singh, GNDU Amritsar, Punjab**

**Day 1 – December 1 | IRSD 2016**

# Conference Dignitaries



**Mrs. Shyama Iyer**  
National Coordinator (Training)  
Spoken Tutorial Project, IIT Bombay

**Er. Samudaya Nanyakkara**  
University of Mortuwa  
Srilanka

**Dr. MP Poonia**  
Director  
NITTTR Chandigarh

**Dr. KK Saini**  
Director  
HCE Sonapat, Haryana

**Dr. Sushanta Tripathy**  
Head Research  
KIT University  
Odisha

# Honour to Conference Dignitaries





**Unveiling of Conference Proceedings**



**MOOC Based ICT Course Award to Spoken Tutorial Received by Mrs. Shyama Iyer**





**Certificate of Honour as Invited Speaker to Mrs. Shyama Iyer**



**IRSD 2016 Award to Er. Tanvir Singh in the field of Social and Environmental Sustainability**



**“ICT In Education using FOSS” Award to Resource Center of Spoken Tutorial “JNV Shimla”  
(Received by Mr. Amit Kumar – Himachal Pradesh Representative of Spoken Tutorial)**

# Awardees

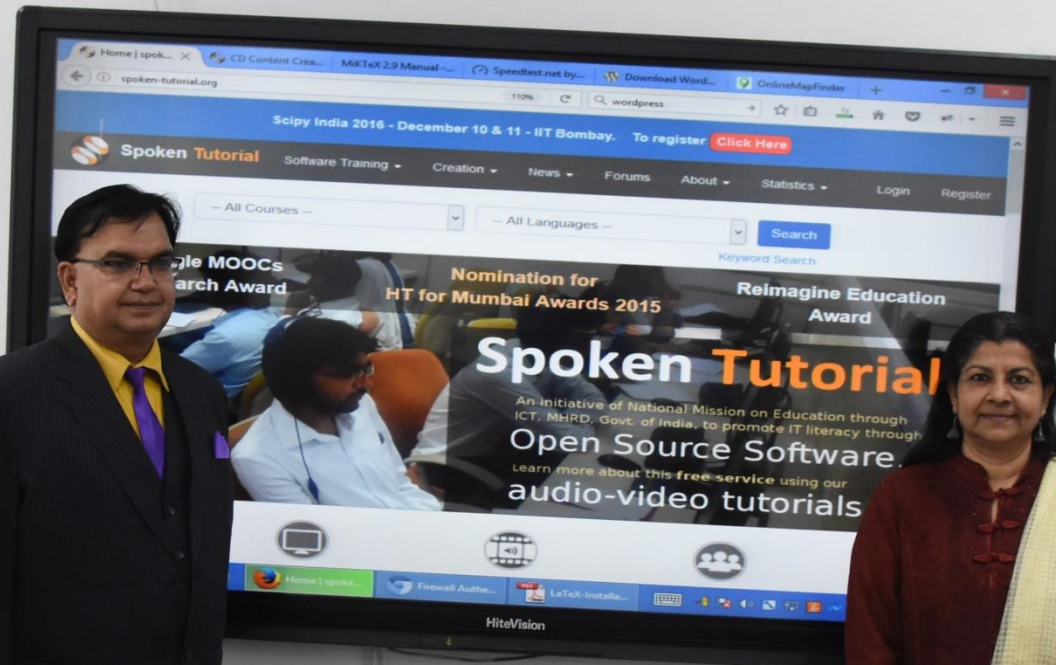


**Interacting with Professors/Head of Institutions from variuos universities during the IRSD 2016**

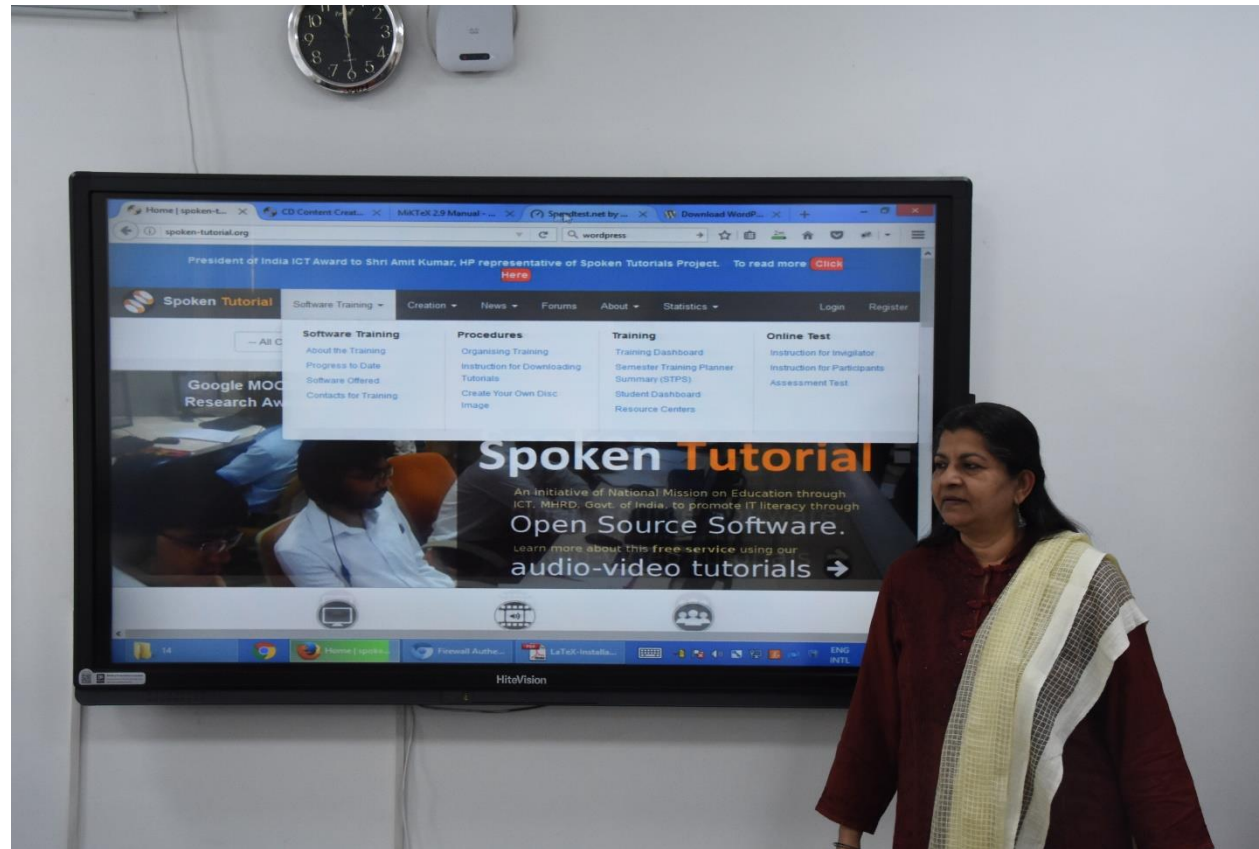


**Day 2 – December 2 | IRSD 2016**

Internet  
password  
Tiba  
nba  
SOA  
Security  
Cloud Computing  
Advance Data  
DBMS  
Side  
Pass

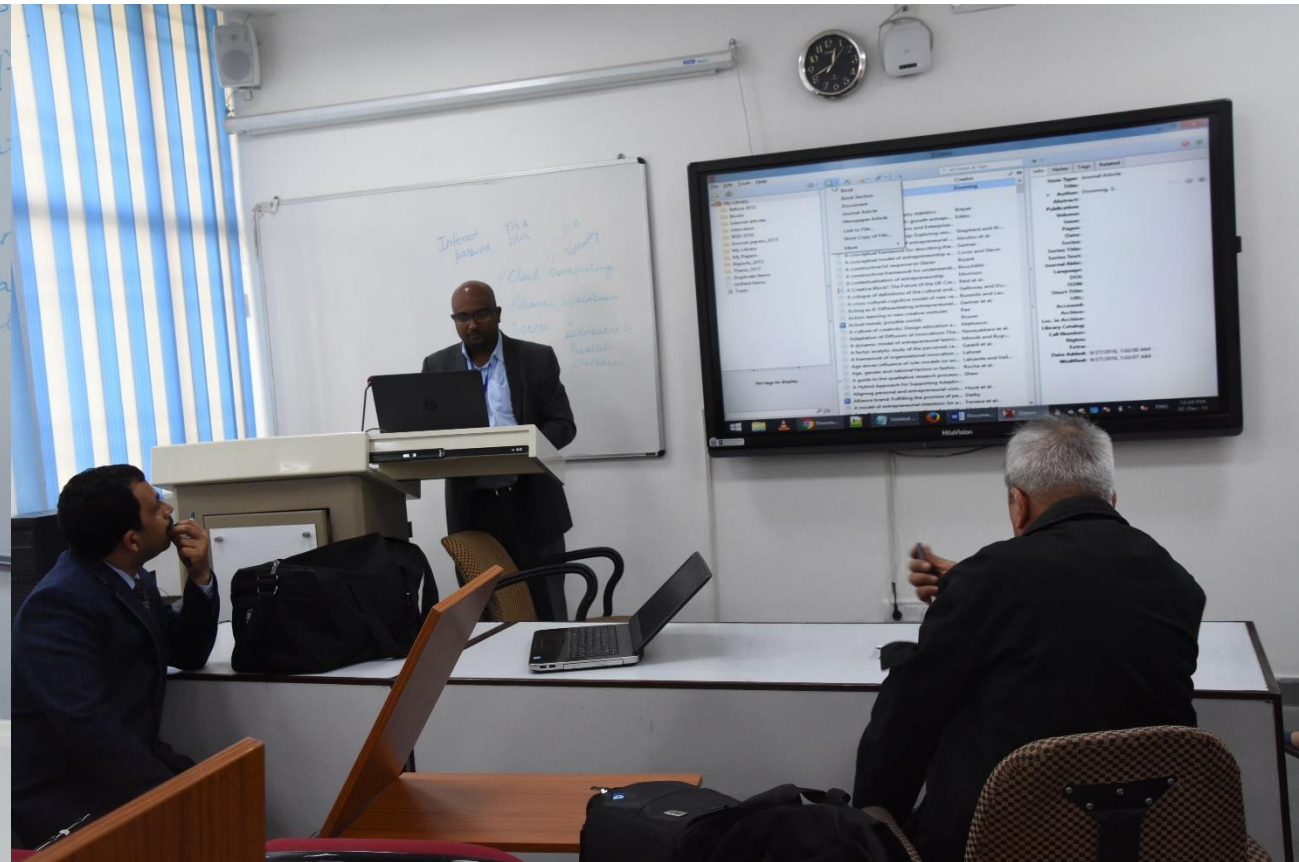


**Inauguration of LaTeX Workshop**



**Talk on LaTeX by Mrs. Shyama Iyer**





**Interaction on FOSS during Workshop**



**LaTeX Workshop**

# पर्यावरण और तकनीक को लेकर किया गया कॉन्फ्रेंस का आयोजन

देश और विदेश से कई प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

जयगार्ग न्यूज

चंडीगढ़, 1 दिसंबर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (निटर) में पर्यावरण और तकनीक को लेकर एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें भारत के अलावा कई अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन ग्रीन थिंकर्स सोसायटी की ओर से किया गया था। इस कार्यक्रम का मकसद था कि नई तकनीकों किस तरह से बनाया जाए कि उससे पर्यावरण को नुकसान ना पहुंचे। इस मौके पर कार्यक्रम के को-ऑर्डिनेटर और रिस्चर अमित कुमार ने बताया कि रोज नई नई तकनीकों का अविष्कार हो रहा है और हर तकनीक बहुत जल्दी हमारी जिंदगी का हिस्सा बन जाती है। लेकिन हर तकनीक चाहे वो परिवहन से हो, कंप्यूटर से हो या हमारे किसी और रोजमर्रा के काम से जुड़ी हो वो किसी ना किसी रूप में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही होती है। इस लिए हमने इस

कार्यक्रम का आयोजन किया है जिसमें इस बात पर चर्चा की गई है कि तकनीकों को इस रूप में खाला जाए कि वो हमारे काम भी आए और पर्यावरण को नुकसान भी ना हो। उन्होंने कहा कि अगर हर सिर्फ कागज का हि इस्तेमाल कम कर दे तो इससे भी हम बहुत सारे पेड़ बचा सकते हैं। अगर हम कारों का इस्तेमाल कम कर दें तो हम वायु प्रदूषण को भी कम कर सकते हैं और बहुत सा इंधन भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऑनलाइन एजुकेशन का एक प्रोजेक्ट शुरू किया है जिससे लोग घर बैठ कर ही पढ़ाई कर सकते हैं। इससे लोगों किसी स्कूल या कॉलेज नहीं जाना पड़ेगी जिससे इंधन बचेगा और वायु प्रदूषण कम होगा। इसके अलावा पढ़ाई ऑनलाइन होगी जिससे कागज की खपत भी कम होगी। कॉन्फ्रेंस में आई छात्रा नवनीत कौर ने कहा कि हम बहुत तेजी से संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक दिन ये खत्म हो जाएंगे। फिर हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए कुछ नहीं बचेगा। इस लिए हमें अभी से हमारे संसाधनों को बचाना होगा। नवनीत ने कहा कि ये कोई बहुत बड़ा काम नहीं है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (निटर) में पर्यावरण और तकनीक को लेकर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन



दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में मौजूद लोग। आज समाज

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (निटर) में पर्यावरण और तकनीक को लेकर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन गुस्वर को किया गया, जिसमें भारत के अलावा कई अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन ग्रीन थिंकर्स सोसायटी की ओर से किया गया, इसका मकसद था कि नई तकनीक किस तरह से बनाया जाए कि उससे पर्यावरण को

नुकसान ना पहुंचे। इस मौके पर कार्यक्रम के को-ऑर्डिनेटर और रिस्चर अमित कुमार ने बताया कि रोज नई-नई तकनीकों का अविष्कार हो रहा है और हर तकनीक बहुत जल्दी हमारी जिंदगी का हिस्सा बन जाती है, लेकिन हर तकनीक चाहे वो परिवहन से हो, कंप्यूटर से हो या हमारे किसी और रोजमर्रा के काम से जुड़ी हो वो किसी ना किसी रूप में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही है। इसलिए हमने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है जिसमें इस बात पर चर्चा की गई है कि तकनीकों को इस

हेमंत को मिला ब्राइट रिसर्च अवॉर्ड

समारोह में रिस्चर हेमंत राजवीर सिंह को ब्राइट रिसर्च अवॉर्ड से नवाजा गया। हेमंत पिछले तीन सालों से टेलीकम्युनिकेशन और पर्यावरण निरंतरता पर काम रहे हैं, इस दौरान वे 14 से ज्यादा रिसर्च पेपर को पब्लिश भी करवा चुके हैं।

रूप में खाला जाए कि वो हमारे काम भी आए और पर्यावरण को नुकसान भी ना हो। उन्होंने कहा कि अगर सिर्फ कागज का हि इस्तेमाल कम कर दे तो इससे भी हम बहुत सारे पेड़ बचा सकते हैं। अगर हम कारों का इस्तेमाल कम कर दें तो हम वायु प्रदूषण को भी कम कर सकते हैं और बहुत सा इंधन भी बचा सकते हैं।

## नवोदय विद्यालय को मिला आईसीटी अवॉर्ड

विद्यालय टियोग के कंप्यूटर शिक्षक को भी शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम करने पर किया सम्मानित

मिर्ठी रिपोर्ट / टियोग

चंडीगढ़ में शुरूवार को संपन्न दो दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के परिसर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जवाहर नवोदय विद्यालय टियोग को स्कूल स्तर पर प्री और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते हुए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को शिक्षा में एकीकृत करने हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया है। सम्मेलन में भारत के अलावा कई अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का आयोजन कंप्यूटर विभाग, एनआईटीटीआर चंडीगढ़, स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट, आईआई टी बॉम्बे एवं ग्रीन थिंकर्स सोसायटी, पंजाब ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य



चंडीगढ़ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार प्राप्त करते टियोग नवोदय के आईटी अध्यापक अमित।

तकनीकी विकास के लिए किए जा रहे अनुसंधान को सतत विकास से जोड़ना था। उक्त कार्यक्रम में एनआईटीटीआर चंडीगढ़ के निदेशक डॉ. एमपी पुनिया, हिन्दू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सोनीपत

के निदेशक डॉ. केके सैनी एवं स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट आईआईटी बॉम्बे की राष्ट्रीय संयोजक श्याम अय्यर ने मुख्य रूप से शिरकत की। डॉ. एमपी पुनिया ने अपने भाषण के दौरान सतत आवृत्तों को अपनाने

का आह्वान किया। कॉन्फ्रेंस के दौरान देश-विदेश से आए शोधकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। इसमें जवाहर नवोदय विद्यालय टियोग के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कंप्यूटर शिक्षक अमित कुमार को भी शिक्षा के क्षेत्र में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए किए सार्वजनिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को शिक्षा में एकीकृत करने के लिए किये गए कार्य के लिए अमित कुमार को गत 5 दिसंबर को राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा राष्ट्रीय आई सीटी पुरस्कार प्रदान किया था। इस अवसर पर अमित कुमार ने शिक्षा में आईसीटी को एकीकृत करने के विषय पर अपना अनुभव सांझा किया।

## एक सतत विकास के लिए समाज का रवैया बदलें : पूनिया



निटर में शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पर जारी की स्मारिका को रिलीज करते विशेषज्ञ। (शाह)

चंडीगढ़ (राकेश): निटर और स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट के सहयोग से ग्रीन थींकर जेड सोसायटी, आई.आई.टी. बॉम्बे के सहयोग से निटर परिसर सैक्टर-26 में अंतःविषय अनुसंधान और सतत विकास पर 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। इस सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग और रिस्चर जर्नल में अनुसंधान के इंटरनेशनल जर्नल एक विशेष मुद्दा है जो अत्याधिक ऑनलाइन के रूप में अच्छी तरह से प्रिंट के साथ जोड़ रहे हैं, के रूप में प्रकाशित किया गया है। सम्मेलन में निटर के निदेशक डा. एम.पी. पुनिया ने कहा कि सब कुछ करने की दिशा में सभी स्तरों पर दृष्टिकोण और व्यवहार में परिवर्तन एक सतत विकसित देश होने के लिए आवश्यक कुंजी है। यह घर से शुरू होता है और कार्यालय की तरह अन्य स्थानों के लिए और जनता में भी चुनना चाहिए। विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों से अनुसंधान विद्वानों ने अपने शोध कार्य प्रस्तुत किया है और विशेषज्ञों और निपुण शोधकर्ताओं ने मंथन किया कि किस प्रकार इन शोध कार्य को आम जनता तक पहुंचाया जाए। इस सम्मेलन में देश के अलग अलग कालेजों एवं विवि से आए विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे।

**[Click here for Glimpses of Day 1 – IRSD 2016](#)**

**[Click here for Glimpses of Day 2 – IRSD 2016](#)**